द्वारा लखिति मानसहि कड़ाल
शुक्रवार, 25 सतिम्बर 2009 12:52 - अंतमि अद्यतन गुरुवार, 29 अक्टूबर 2009 15:21

.... □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□

मै □कहनि्□दु परविार में पैदा हुआ□ परविार केसंस्□कारों केमुताबकिमुझे शक्षिा मलिी□ आर्थकिकारणों से मैंने बचपन में ही पढ़ाई छोड़ दी और नौकरी करने लगा□ 1979 में परविार वालों की इच्□छा केवपिरीत मैंने अपनी मर्ज़ी से ववािह कयिा, मेरी पत्□नी □कमसीही परविार से संबंध रखती है□ वह मुझे प्रभु यीशु केवषिय में बताती और नरिन्□तर प्रार्थना करती थी परन्□तु मैं उसकी बातों को गंभीरतापर्वूककभी नहीं लेता था और मज़ाकमें बदल देता था परन्□तु मेरी पत्□नी द्वारा लगातार की जा रही प्रार्थनाओं का उत्□तर प्रभु ने दयिा, 1986 में मैंने प्रभु को अपना व्□यक्तगित उद्धारकर्ता मान केग्रहण कयिा□ मैंने बपतस्□मा लयिा और प्रभु से अपने पापों की क्षमा मांग कर अपना पुराना चाल-चलन बदल कर मसीह में नया जीवन शुरू कयिा□ मैंने प्रभु केजीवति वचन पर चलने का प्रण कयिा□ तब से आज तकप्रभु ने मुझे और मेरे परविार को नरिन्□तर आशीषति कयिा है□ उसने मुझे जीवन में हर मुश्कलिों, परेशानयिों से बचाकर रखा है□ आज मैं और मेरी पत्□नी व मेरे बच्□चें प्रभु केअनुग्रह में बहुत खुशहाल जीवन बति‍ा रहे हैं□ मेरे बच्□चों को अच्□छी शक्षिा मलि रही है□ मेरी पत्□नी अस्□पताल में नौकरी करती है□ मैं भी □कमसीही संस्□था में कार्यरत हूं□ मुझे प्रभु यीशु मसीह केद्वारा क्रूस पर दयिे गये बलदिान, उसकेअसीम प्रेम और पवति्र शास्□त्र केवषिय में बताने, सखिाने में मेरी पत्□नी ने मेरी बहुत सहायता की□ मैं अपनी पत्□नी केलि□ प्रभु का धन्□यवादति हूं कउिसने मुझे ऐसी स्□त्री प्रदान की जसिने मेरे पापमय जीवन की दशिा ही बदल दी□ उसकेअलावा मेरी □क वृद्ध पड़ोसी श्रीमती लभूमल ने भी नरिंतर मेरे लयि प्रार्थना की□ सी.□सफसी. चर्च में आने वाले देशी वदिेशी प्रचारकों व गायकों □वं मेरे संस्□था के समस्□य सहयोगयिों ने मेरी आत्मकिउन्□नतमिें मुझे महत्□वपूरण सहयोग दयिा□ मैं प्रभु का धन्□यवादति हूं कउिसने मुझे नया जीवन दयिा और अपनी सेवा में यह जीवन लगाने का अवसर दयिा□

‘‘हे पत्नयिों, तुम भी अपने पतकिेआधीन रहो इसलि□ कयिदइिनमें से कोई ऐसे हों जो वचन को न मानते हो वो भी तुम्□हारे भय सहति पवति्र चाल चलन को देखकर बनिा वचन केअपनी-अपनी पत्□नी केचाल चलन द्वारा खचि जा□’’ (1 पतरस 3:1,2)□

□□□□□□□□□ □□□□□, □□□□□□□□□ (□□□□□□)